साहित्य अकादमी के अनुवाद पुरस्कार से सम्मानित हुये साहित्यकार

(आज समाचार सेवा)

नयी दिल्ली, १४ जून। साहित्य अकादमी ने अनुवाद पुरस्कारों के लिये देश के विभिन्न भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित किया है। प्रभात त्रिपाठी को हिन्दी, ए. कृष्णाराव (कृष्णडु) को तेलगू तथा जकिया मशहदी को उर्दू में अनुवाद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हिन्दी में अनुवाद पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रभात त्रिपाठी का जन्म छत्तीसगढ़ के रायपुर में १९४१ में हुआ था। उन्हें हरप्रसाद दास कृत ओड़िया काव्य कृति बंश के हिन्दी अनुवाद के लिये यह पुरस्कार दिया गया है। इस कृति में महाभारत को आधुनिक सभ्यता की कालजयी कृति के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वरिष्ठ पत्रकार ए. कृष्णाराव को प्रख्यात डोंगरी कवियित्री पदमा सचदेव के अंग्रेजी कविता संग्रह ए हैंडफुल ऑफ सन एंड अदर पोएम्स के तेलगू अनुवाद के लिये सम्मानित किया गया है। ए. कृष्णाराव का जन्म १९६२ में दक्षिण तेलंगाना के महबूब नगर जिले में हुआ था। फिलहाल वह तेलगू दैनिक आंध्र ज्योति में एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्यरत हैं। जकिया मशहदी को कुमार घोष के बांग्ला उपन्यास शेष नमस्कार के उर्दू अनुवाद के लिये पुरस्कृत किया गया है। जाकिया का जन्म १९४२ में उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिला मुरादाबाद में हुआ था। लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नाकोत्तर जकिया पेशे से लेखक और अनुवादक हैं। उन्हें बिहार उर्दू अकादमी पुरस्कार सहित कई सम्मानों से विभूषित किया जा चुका है। साहित्य अकादमी ने हिन्दी, उर्दू और तेलगू के अलावा अन्य भाषाओं जैसे असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोकड़ी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी और संस्कृत सहित कई अन्य भाषाओं के विद्वानों को भी अनुवाद पुरस्कार से सम्मानित किया।

आज
वाराणसी, १५ जून २०१९

साहित्य अकादमीके अनुवाद पुरस्कार से सम्मानित हुए साहित्यकार

नयी दिल्ली (आससे.)। साहित्य अकादमी ने अनुवाद पुरस्कारों के लिये देश के विभिन्न भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित किया है। प्रभात त्रिपाठी को हिन्दी, ए. कृष्णाराव (कृष्णडु) को तेलगू तथा जकिया मशहदी को उर्दू में अनुवाद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हिन्दी में अनुवाद पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रभात त्रिपाठी का जन्म छत्तीसगढ़ के रायपुर में १९४१ में हुआ था। उन्हें हरप्रसाद दास कृत ओड़िया काव्य कृति बंश के हिन्दी अनुवाद के लिये यह पुरस्कार दिया गया है। इस कृति में महाभारत को आधुनिक सभ्यता की कालजयी कृति के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार ए. कृष्णाराव को प्रख्यात डोंगरी कवियित्री पदमा सचदेव के अंग्रेजी कविता संग्रह ए हैंडफुल ऑफ सन एंड अदर पोएम्स के तेलगू अनुवाद के लिये सम्मानित किया गया है। ए. कृष्णाराव का जन्म १९६२ में दक्षिण तेलंगाना के महबूब नगर जिले में हुआ था। फिलहाल वह तेलगू दैनिक आंध्र ज्योति में एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्यरत हैं। जकिया मशहदी को कुमार घोष के बांग्ला उपन्यास शेष नमस्कार के उर्दू अनुवाद के लिये पुरस्कृत किया गया है। जाकिया का जन्म १९४२ में उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिला मुरादाबाद में हुआ था। लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नाकोत्तर जकिया पेशे से लेखक और अनुवादक हैं। उन्हें बिहार उर्दू अकादमी पुरस्कार सहित कई सम्मानों से विभूषित किया जा चुका है।

साहित्य अकादमी ने हिन्दी, उर्दू और तेलगू के अलावा अन्य भाषाओं जैसे असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोकड़ी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी और संस्कृत सहित कई अन्य भाषाओं के विद्वानों को भी अनुवाद पुरस्कार से सम्मानित किया।

కృష్ణారావుకు అవార్డు అందజేస్తున్న చంద్రశేఖర్ కంబారా

కృష్ణుడికి అకాడమీ అవార్డు

'ఆంధ్రజ్యోతి' జర్నలిస్టు కృష్ణారావుకు అనువాద పురస్కారం ప్రదానం

న్యూఢిల్లీ, జూన్ 14(ఆంధ్రజ్యోతి): 'ఆంధ్రజ్యోతి' అసోసియేట్ ఎడిటర్ ఎ.కృష్ణారావు కేంద్ర సాహిత్య అకాడమీ అనువాద పురస్కారాన్ని అందుకున్నారు. శుక్రవారం అగర్తలాలో జరిగిన ప్రత్యేక కార్యక్రమంలో అకాడమీ అధ్యక్షుడు చంద్రశేఖర్ కంబారా ఆయనకు జ్ఞాపికతోపాటు రూ.50వేల నగదు అందజేశారు. ప్రముఖ డోగ్రీ రచయిత్రి పద్మా సచిదేవ రచించిన కవితలను "గుప్పెడు సూర్యుడు మరికొన్ని కవితలు" పేరిట తెలుగులోకి అనువదించినందుకు కృష్ణారావుకు అనువాద పురస్కారం లభించింది. డోగ్రీ భాషలో పద్మ రచించిన ఈ కవితలను కాంగ్రెస్ నేత కరణ్‌సింగ్‌తోపాటు ఇతర ప్రముఖులు ఇంగ్లిషులోకి అనువదించగా, వాటిని కృష్ణారావు తెలుగులోకి తర్జుమా చేశారు. కార్యక్రమంలో సాహిత్య అకాడమీ ఉపాధ్యక్షుడు మాధవ్ కౌశిక్, కార్యదర్శి కె. శ్రీనివాసరావు, హిందీ రచయిత గోవింద్ మిశ్రా, తెలుగు కవి వాడ్రేవు చినవీరభద్రుడు పలువురు రచయితలు పాల్గొన్నారు. మహబూబ్‌నగర్ జిల్లాలో జన్మించిన కృష్ణారావు మూడు దశాబ్దాలకుపైగా పాత్రికేయ వృత్తిలో కొనసాగుతున్నారు. ఆయన 'ఇండియా గేట్', 'నడుస్తున్న హీనచరిత్ర' పేరిట రెండు పుస్తకాలను రచించారు. "ఆకాశం కోల్పోయిన పక్షి"తో పాటు మరో రెండు కవితా సంపుటాలను వెలువరించారు. సాహితీ, జర్నలిజం రంగాలకు చేసిన సేవలకుగానూ మోటూరు హనుమంతరావు స్మారక ఉత్తమ జర్నలిస్టు అవార్డు, ఎస్ఆర్ చందూర్ అవార్డు, తాపీ ధర్మారావు అవార్డు, అలూరి బైరాగి పురస్కారాలను ఆయన అందుకున్నారు.

മലയാളം മിഷൻ
പരീക്ഷാവിജയികൾ

ന്യൂഡൽഹി ▸ കേരള സാംസ്കാരികവകുപ്പ് നടത്തിയ മലയാളം മിഷൻ കണിക്കൊന്ന പരീക്ഷയിൽ കിഷൻഗഢ് കേശവം ബാലഗോകുലത്തിൽനിന്നുള്ള വിദ്യാർഥികൾ വിജയിച്ചു. അനുശ്രീ ബിനോയ്, അമൻ ബിനോയ്, കെ.ആർ. രവീണ, ടി.ആർ. രവീൺ എന്നിവരാണ് ജയിച്ച വിദ്യാർഥികൾ.

▶ തെലുങ്കിൽ വിവർത്തനത്തിനുള്ള പുരസ്കാരം ആന്ധ്രാ ജ്യോതി അസോസിയേറ്റ് എഡിറ്റർ (ഡൽഹി) എ. കൃഷ്ണറാവുവിന് സാഹിത്യ അക്കാദമി അധ്യക്ഷൻ ചന്ദ്രശേഖർ കമ്പാർ സമ്മാനിക്കുന്നു

পুরস্কার তুলে দেয় সুকান্ত একাডেমিতে। শুক্রবার। ছবি: জাকির হোসেন।

আগরতলায় প্রথম অনুবাদ সাহিত্যের অনুষ্ঠান, সাড়া

স্যন্দন প্রতিনিধি, আগরতাল, ১৪ জুন।। সাহিত্য আকাদেমি আয়োজিত অনুবাদ পুরস্কার অর্পণ সমারোহ ২০১৮ এর আড়ম্বরপূর্ণ অনুষ্ঠান, ১৪ জুন শুক্রবার সুকান্ত আকাদেমি অডিটোরিয়ামে অনুষ্ঠিত হয়েছে। অনুষ্ঠান মঞ্চে ছিল ভাষা অনুবাদক তথা গুণীজনদের চাঁদের হাঁট। দর্শকাসনও বহু গুণী লেখক, কবি, সাহিত্যিক, অনুবাদক। অনুষ্ঠানে স্বাগত ভাষণ রাখেন সাহিত্য আকাদেমির সচিব কে. শ্রীনিবাসরাও। সভাপতির ভাষণ রাখেন সাহিত্য আকাদেমির সভাপতি চন্দ্রশেকর কম্বার। তাঁর মতে অনুবাদহল মানুষের এক সহজাত গুণ। অনুবাদের মাধ্যমেই আমরা পৃথিবীর যে কোনো প্রান্তের সাহিত্য সুধা পাই। অনুষ্ঠানের মধ্যপ্রান্তে মঞ্চে উপস্থিত অসমীয়া, বাংলা, বোরো, ডোগরী, ইংরেজি, গুজরাতি, হিন্দি, কন্নড়, কাশ্মীরি, কোঙ্কনী, মৈথিলী, মালয়ালম, মণিপুরী, মারাঠী, নেপালী, ওড়িয্যা, পাঞ্জাবী, রাজস্থানী, সংস্কৃত, সাঁওতালী, সিন্ধি, তামিল, তেলুগু, উর্দু ভাষায় অনুবাদে সম্মানিত পুরস্কার প্রাপকদের হাতে পুরস্কার সহ ৫০,০০০ টাকা অর্থ পুরস্কার তুলে দেন বিশিষ্ট ব্যক্তিবর্গ। ভারতের বিভিন্ন রাজ্য থেকে পুরস্কার প্রাপকদের মধ্যে বিশিষ্ট লেখক তথা অনুবাদক হিসাবে উপস্থিত ছিলেন পার্থ প্রতিম হাজারিকা, মবিনুল হক, নবীন ব্রহ্ম, নরসিং দেব জামওয়াল, সুকশ্রী কৃষ্ণস্বামী, ভিনেশ আনতানি, প্রভাব ত্রিপাঠি, গিরাড্ডি গোবিন্দরাজ, মহম্মদ জামান আজুরদা, নারায়ণ ভাস্কর দেশাই, সাত্রী আলম গৌহার, এম. লীলাবতী, রাজকুমার মবি সিং, প্রফুল্ল মিলেদার, মনিকা মুখিয়া, শ্রদ্ধাঞ্জলী কানুনগো, কে.এল গর্গ মনোজ কুমার শর্মা, রূপচাঁদ হাঁসদা, জগদীশ লাচ্ছানি, কুলাচল ইউসুফ, এ.কৃষ্ণা রাও এবং জাকিয়া মাশহাদি। অনুষ্ঠানে প্রধান অতিথি অনুবাদের ধারাকে বজায় রাখতে ও ভাষা অনুবাদের কার্যক্রমকে একটি নয়া উচ্চতায় নিয়ে যেতে দেশে ন্যাশানাল সেন্টার ফর ট্যান্সলেশন' গড়ে তোলার আবেদন রাখেন।

অনুষ্ঠানের শেষ পর্যায়ে সমাপ্তি ভাষণ রাখেন সাহিত্য আকাদেমির সহ-সভাপতি মাধব কৌশিক। তিনি হিন্দিতে ভাষণ দিতে গিয়ে বলেন ভাষাকে ভালবাসেন বলেই বিশিষ্ট ভাষা অনুবাদকগুণ পুরস্কৃত হয়েছেন। এই কর্মকাণ্ডকে আরও এগিয়ে নিয়ে যেতে হবে। তিনি 'ন্যাশানাল সেন্টার ফর ট্রান্সলেশন' গড়ে তুলতে সমর্থন জানান ও যত তাড়াতাড়ি সম্ভব এই পদক্ষেপ সফল করার আহ্বান রাখেন। অনুষ্ঠানের পরবর্তী পর্যায় ১৫ ও ১৬ জুন শহিদ ভগৎ সিং যুব আবাস অডিটোরিয়ামে অনুষ্ঠিত হবে। 'অভিব্যক্তি' অনুষ্ঠানে সম্মানিত পুরস্কার প্রাপক অনুবাদকগণ তাদের অভিব্যক্তি প্রকাশ করবেন। দুদিনের 'অভিব্যক্তি' অনুষ্ঠানে কবি সম্মেলন, সাংস্কৃতিক মেলবন্ধন, গল্প পাঠের আয়োজন করা হয়েছে। উদ্বোধনী অনুষ্ঠানের দিন অডিটোরিয়াম প্রাঙ্গণে সাহিত্য আকাদেমির পুস্তক প্রদর্শনী ও বিক্রয়ের আয়োজনও ছিল। সারা দেশের মধ্যে ত্রিপুরাতে ভাষাও অনুবাদের এই আয়োজন সত্যিই যে এক উল্লেখযোগ্য আয়োজন তা বক্তাদের কথায় ও দর্শকদের উৎসাহতেই ছিল স্পষ্ট।

English Daily of Northeast India

NORTH EAST COLORS

PUBLISHED FROM AGARTALA

NORTHEAST COLORS + Year 2 + Issue 58 + SATURDAY + 15th JUNE 2019 + RNI No.TRIENG/2017/73934 + e-mail : northeastcolors@gmail.com + Price : Rs. 4.00 + Total Page : 8

JAIN TILES
Floor & Wall Tiles
Wholesale & Retail
Badharghat Chowmuhani
Agartala, Tripura (W)
7005854545/ 9436128298

Prestigious Translation Prizes for 2018 conferred

NEC Report

Agartala, Jun 14: The Indian institution of letters Sahitya Akademi ,New Delhi has come down to Agartala to complete its 30th journey with a galaxy of stars in the literary sky and has conferred the prestigious Translation Prize for 2018 to 24 outstanding scholars from across the country in a glittering ceremony held at Sukanta Academy for Science,Arts & Culture Auditorium this evening.

The welcome address was delivered by the Secretary, Sahitya Akademi K. Sreenivasarao. Distinguished writer and scholar Dr Chandrasekhar Kambar, President of Sahitya Akademi conferred the prize to the illustrious translators with a bouquet, traditional tribal Risha as Angabastram and a beautiful casket containing an engraved copper-plaque and a cheque of Rs 50,000/- each in the grand function.

साहित्य अकादेमी

In his presidential address, Dr Kambar emphasised on the importance of translation in a diverse and multilingual country like ours. Chief Guest, eminent Odisha writer, Haraprasad Das had virtually mesmerised the distinguished audiences by virtue of his beautiful deliberation. He particularly appreciated the Manikya dynasty of Tripura for contemplating the idea of translation with the original spirit of life that connects and proposed to initiate a National centre or Institution for translation along with formulating a translation policy to be finalised by the Sahitya Akademi, New Delhi. "Translation is a delicate work and is the only medium through which people come to know different works that expand bits of knowledge" he added. From amongst the translators' prize winners, 4 have been begged by the northeastern region. The presentation ceremony began with Assam with the writer cum Assistant Editor of The Assam Tribune Partha Pratim Hazarika and ended with A.Krishna Rao of Telangana state. Madhav Kaushik, Vice president conveyed the vote of thanks.

Tomorrow morning, there will be Translators Meet at Saheed Bhagat Singh Yuba Awas Auditorium, Khejurbagan to share the experiences of creative awardees writers followed by Abhivykti- a multilingual literary event featuring poetry and storytelling in different languages and discourse on the prospect of translation in variegated ways in the second session. A huge enthusiastic literary crowd witnessed and applauded the programme.